http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 107

प्रयागराज गुरुवार 02 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

लखनऊ के होटल में परिवार के 5 लोगों की हत्या

● लखनऊ सामूहिक हत्याकांडः मां और चार बहनों का कत्ल कर असद ने बनाया वीडियो, खुद बताया क्यों मारा, बाप भी दिखा साथ

आगरा,(एजेंसी)। लखनऊ के होटल में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हत्या का मामला सामने आया है। आगरा के रहने वाले 24 साल के असद ने अपनी मां असमा और चार बहनों की हत्या कर दी। आरोपी मोहम्मद असद को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक युवक ने होटल में खूनी खेल खेला। लखनऊ के एक होटल में आगरा के रहने वाले युवक ने मां और चार बहनों की हत्या कर दी। नए साल पर हुई दिल दहलाने वाली वारदात से हर कोई सकते में हैं। सुबह–सुबह मिली पांच हत्याओं की खबर से पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी युवक से पूछताछ कर रही है। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि ये परिवार आगरा जिले के कुबेरपुर का रहने वाला है। आगरा के टेड़ी बगिया क्षेत्र के इस्लाम नगर के रहने वाले 24 साल के असद ने यह खूनी खेल खेला। सनसनीखेज हत्याकांड में हैरान करने वाली बात ये है कि चार बेटियों में से दो नाबालिग हैं। जबकि, दो की उम्र 18 और 19 साल है। लखनऊ के होटल शरनजीत में इन पांच हत्याओं से पूरे शहर में सनसनी फैल गई। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी ने एक वीडियो बनाया। वीडियो में आरोपी ने मृत मां और बहनों को दिखाया। इस दौरान उसका बाप भी साथ में दिखाई दिया। वीडियो में उसने बस्ती के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आइए जानते हैं कि वीडियो में उसने क्या कहा है। सीएम योगी से किया ये निवेदन मेरा नाम अअसद है... आज बस्ती वालों की वजह से मजबूरी में हमने ये कदम उठाया। अपने हाथों से मां और बहन को मारा है। इसके जिम्मेदार बस्ती वाले हैं। हमारा घर इन लोगों ने छीनने के लिए न जाने कितने–कितने जुल्म किए। हमने आवाज उठाई तो हमारी किसी ने नहीं सुनी। 10–15 दिन हो गए, सर्दी में भटकते हुए। योगी जी से ये निवेदन है कि इन जैसे मुसलमानों को नहीं छोड़ें, पूरी बस्ती मौत की जिम्मेदार है। मौत के जिम्मेदार रानू उर्फ आफताब अहमद, अलीम खान, सलीम खान, ड्राइवर, अहमद, अजहर और उसके और रिश्तेदार हैं, जो लड़कियों को बेचते हैं। इन लोगों का प्लान था कि हम लोगों को जेल पहुंचाकर हमारी बहनों को बेचेंगे। हम ये नहीं चाहते थे। श्अम्मी की भी हत्या कर दी, बहनों को भी मार डालाश असद ने इसके बाद इस वीडियो में बहनों की लाशों को भी दिखाया। बताया कि उसने अपनी अम्मी की भी हत्या कर दी, बहनों को भी मार डाला। इस दौरान उसका पिता भी वीडियो में बैठा हुआ दिखाई दिया। वीडियो में असद कह रहा है कि उसने पुलिस से मदद मांगी, नेताओं से मदद मांगी, लेकिन किसी ने कुछ नहीं किया। श्हम लोग बस्ती वालों से तंग आकर धर्म परिवर्तन करना चाहते थेश हम बदायूं के रहने वाले हैं।

नए साल पर किसानों को मोदी सरकार का तोहफा

डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान

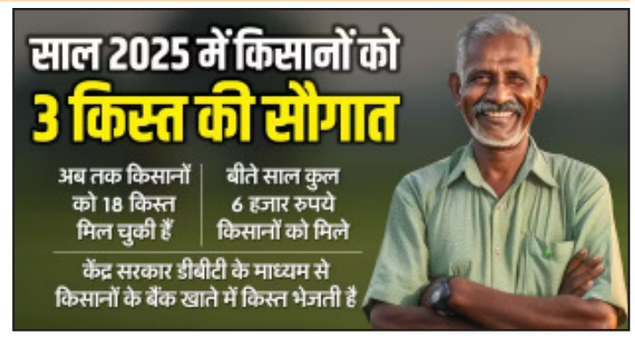

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नए साल के पहले दिन मोदी सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दते हुए डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान किया है। इसके लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दी है। आइए इस बारे में और जानें। नए साल के पहले दिन मोदी सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दते हुए डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का एलान किया है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के एकमुश्त विशेष पैकेज को कैबिनेट की मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल ने किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 01.01.2025 से 31.12.2025 तक की अवधि के लिए एनबीएस सब्सिडी से परे डाय–अमोनियम फॉस्फेट पर एकमुश्त विशेष पैकेज को मंजूरी दी है। इसके तहत किसानों को डीएपी का 50 किलोग्राम का बैग 1,350 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। पीएम फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को कैबिनेट ने 2025–26 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। 2021–22 से 2025–26 तक योजना पर 69,515.71 करोड़ का कुल व्यय होगा। कैबिनेट ने नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए फंड के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। 824.77 करोड़ प्रोफाइल फंड का उपयोग योजना के तहत तकनीकी पहलों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

भारत खुद की रक्षा करने से कहीं अधिक करने की स्थिति में: आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नए साल पर समूह के कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में आनंद महिंद्रा ने कहा कि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिकाधिक लेन–देन वाले बन सकते हैं, यह राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय ताकत के दम पर संचालित होंगे। महिंद्रा समूह के मुखिया ने आगे क्या कहा, आइए जानें।

भारत वैश्विक गठबंधनों में बदलाव के अवसर का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक क्षमता को बढ़ा सकता है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रह सकती है। महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा ने अपने नए साल के संदेश में यह बात कही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सिर्फ अपनी रक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ करने की स्थिति में है। नए साल पर समूह के कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में महिंद्रा ने कहा कि भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिकाधिक लेन–देन वाले बन सकते हैं, यह राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय ताकत के दम पर संचालित होंगे। महिंद्रा ने लिखा, "वैश्विक स्तर पर पिछले कुछ वर्ष झटकों, बदलावों और अनिश्चितताओं से भरे रहे हैं। बीता वर्ष भी इसका अपवाद नहीं है। हम एक परिवर्तनशील विश्व देख रहे हैं, जहां परस्पर निर्भरता और समतल विश्व अतीत की बातें हो सकती हैं।" महिंद्रा ने कहा, "भारत अपनी रक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ करने की स्थिति में है...यह सैन्य शक्ति का प्रदर्शन कर सकता है।

देशभर में नए साल की धूम

● राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देशभर में आज नए साल की धूम देखने को मिल रही है। लोग एक दूसरे को बधाई देकर नए साल का स्वागत कर रहे हैं। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से देशवासियों को बधाई दी है। आज देशभर में नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। बीते साल को पीछे छोड़ नए साल 2025 में प्रवेश करने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, जिसके लिए सभी एक दूसरे को बधाई देकर अपनी खुशी भी जाहिर कर रहें हैं। इसी बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से देशवासियों को बधाई दी है। पीएम मोदी की शुभकामनाएं और उम्मीद नए साल के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया को प्लेटफॉर्म एक्स पर देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि यह वर्ष नए अवसर, सफलता और अनंत खुशी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि 2025 की शुभकामनाएं! यह वर्ष सभी के लिए नए अवसर, सफलता और अनंत खुशी लेकर आए। सभी को उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिले।ष राष्ट्रपति मुर्मू ने दी शुभकामनाएं पीएम मोदी के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत और दुनिया के लिए एक उज्जवल, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा देशवासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं! वर्ष 2025 सभी के लिए खुशी, सद्भाव और समृद्धि लेकर आए! इस अवसर पर, आइए हम भारत और दुनिया के लिए एक उज्जवल, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकरण करें। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने नए साल की दी शुभकामनाएं नए साल के अवसर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि नव वर्ष 2025 के पावन अवसर पर मैं देश के सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारा देश अगले 25 वर्षों में सबसे शक्तिशाली विकसित राष्ट्रों में से एक बनने जा रहा है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने श्सबका साथ–सबका विकासश के मंत्र के साथ काम किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी दी शुभकामनाएं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भरोसा जताया कि इस राज्य को समृद्धि और विकास के रास्ते ले जाने के डबल इंजन सरकार के प्रयासों में 2025 में और तेजी आएगी। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि प्रदेश में जारी विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की वजह से इस प्रदेश के लोगों का जीवन स्तर निरंतर सुधर रहा है।

जलगांव में 2 गुट भिड़े, 6 गाड़ियां-15 दुकानें जलाईं

जलगांव,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में 31 दिसंबर की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। देर रात फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में2 जनवरी की सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ़्यू लगा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस की। झगड़े की खबर लगने पर गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी आ गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। 8 आरोपी हिरासत में, पूछताछ जारी पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी कविता नेरकर ने बताया कि 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पार्टी प्रवक्ता बोलीं– मंत्री के परिवार को नुकसान पहुंचाने की शरारत शिवसेना एमएलसी और पार्टी प्रवक्ता डॉ मनीषा कायंदे ने कहा है कि तथ्यों का पता लगाने के लिए पूरी जांच होनी चाहिए कि क्या राज्य के मंत्री गुलाब राव पाटिल और उनके परिवार के जीवन को नुकसान पहुंचाने की कोई शरारत थी। मुझे यकीन है कि महाराष्ट्र पुलिस अपना काम करेगी।

छत्तीसगढ़ बना वन पारिस्थितिकी तंत्र को ग्रीन जीडीपी से जोड़ने वाला पहला राज्य

नयी दिल्ली/रायपुर,(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ ने देश में पहली बार जंगलों की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को ग्रीन जीडीपी यानी 'हरित सकल घरेलू उत्पाद' से जोड़ने की पहल शुरू की है। इस अनोखी पहल से अब जंगलों से मिलने वाले लाभ, जैसे साफ हवा, पानी का संरक्षण और जैव विविधता, को हमारी आर्थिक प्रगति के साथ जोड़कर देखा जा रहा है. पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए आर्थिक तरक्की के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को पूरा करने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि जंगलों से हमें कई अनदेखे लाभ मिलते हैं, जैसे कि वातावरण को ठंडा रखना, मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखना, पानी को साफ करना और पेड़ों के जरिए कार्बन डाइऑक्साइड को सोखना। इन सभी सेवाओं का सही तरीके से मूल्यांकन किया जाएगा ताकि भविष्य में हमारी योजनाएं बेहतर बन सकें और हमारी पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत क्षेत्र वन से ढका है, जो लाखों लोगों की आजीविका का आधार है। तेंदूपत्ता, लाख, शहद और औषधीय पौधों जैसे उत्पाद वनों से प्राप्त होते हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हैं। इसके अलावा, वनों से पर्यावरण को कार्बन अवशोषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है। उन्होंने जोर दिया कि छत्तीसगढ़ में वनों की नयी पहल से जंगलों की सही कीमत समझी जाएगी। यह योजना जंगलों को बचाने और उनके फायदे गिनने में मदद करेगी। इससे बजट बनाने और योजनाओं में सुधार होगा। जंगलों से न केवल पर्यावरण को फायदा होता है, बल्कि वे रोजगार भी देते हैं। श्री साय ने कहा कि गुरु घासीदास, कांगेर घाटी और इंद्रावती जैसे राष्ट्रीय उद्यानों में लोग इको–टूरिज्म, जैसे जंगल सफारी और कैंपिंग, से जुड़े हैं। इससे आसपास के लोगों को काम मिल रहा है। उनका मानना है कि छत्तीसगढ़ के जंगलों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। ये आदिवासी परंपराओं को बचाने में मदद करते हैं और लोगों को आध्यात्मिक शांति देते हैं। यह नयी योजना जंगलों को बचाने और उनके फायदे समझने का एक बड़ा कदम है, जिससे राज्य को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि जंगलों की आर्थिक कीमत तय करने के लिए वैज्ञानिक यह आकलन करेंगे कि पेड़ हर साल कितनी कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं और उसे साफ ऑक्सीजन में बदलते हैं। इसकी बाजार में क्या कीमत हो सकती है, उसे जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही पानी का संरक्षणरू जंगलों से जो नदियां और झरने बनते हैं, उनका पानी कितने लोगों और खेती के लिए उपयोगी है, इसकी गणना होगी। वहीं पेड़ों से गिरने वाले पत्ते और जड़ों से मिट्टी की उर्वरता कैसे बढ़ती है।

देश में भूगर्भ जल रिचार्ज में 7 साल के दौरान अच्छी प्रगति

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश में कुल वार्षिक भूगर्भ जल (जीडब्ल्यू) रिचार्ज में पिछले 7 वर्ष के दौरान 5 गुना वृद्धि हुई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील द्वारा जारी रिपोर्ट "भूगर्भ–जल संसाधन का परिवर्तनशील आकलन, 2024" के अनुसार वर्ष 2017 में देश में भूगर्भ जल रिचार्ज वार्षिक 3 अब घन मीटर (बीसीएम) हुआ करता था जो अब बढ़कर 15 बीसीएम तक पहुंच गया है। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार परिवर्तनशील भूगर्भ जल रिचार्ज की स्थिति का मूल्यांकन केंद्रीय भूगर्भ जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्र के साथ संयुक्त रूप से किया गया है। इसका उद्देश्य है कि इस रिपोर्ट के आधार पर संबद्ध पक्ष आवश्यकता पड़ने पर उपयुक्त हस्तक्षेप कर सकें। आकलन के अनुसार देश में कुल वार्षिक भूजल रिचार्ज 446.90 बीसीएम आंका गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार यदि प्राकृतिक रूप से खत्म होने वाले भूगर्भ जल को छोड़ दें तो निकालने योग्य योग्य भूजल संसाधन की वार्षिक उपलब्धता406.19 बीसीएम रहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सभी प्रकार के उपयोगों के लिए इस समय वार्षिक भूजल निष्कर्षण 245.64 बीसीएम है। देश में भूजल दोहन का औसत स्तर 60.47 प्रतिशत बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में लाल पोखरों और जल संरक्षण के अन्य प्रणालियों से भूगर्भ जल रिचार्ज में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट जारी करने के लिए कल आयोजित कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग की सचिव देवश्री मुखर्जी, मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुबोध यादव और केंद्रीय भूगर्भ जल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार एम्बास्त उपस्थित थे।

दिल्ली में फिर लेटर वार

● केजरीवाल ने भागवत को लिखी चिट्ठी, भाजपा ने किया पलटवार, नए साल में जोरों पर सियासत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए तो वहीं भाजपा ने भी पलटवार करने में देरी नहीं की। बता दें कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव के बीच एक बार फिर लेटर वार शुरू हो गया है। पहले अरविंद केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख को चिट्ठी लिखी तो फिर इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल को नए साल पर पत्र लिखा और कुछ संकल्प लेने के लिए कहा। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को चिट्ठी लिखी। केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में आरएसएस प्रमुख से कई सवाल पूछे। अरविंद केजरीवाल ने नए साल के पहले दिन ही चिट्ठी लिखकर भाजपा पर निशाना साधा। मोहन भागवत को लिखी चिट्ठी में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने पिछले दिनों में जो भी गलत किया है क्या आरएसएस उसका समर्थन करती है। भाजपा के नेता खुलकर पैसे बांट रहे हैं, क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करती है। आगे पूछा कि बड़े स्तर पर दलित, पूर्वांचलियों के वोट काटे जा रहे हैं। क्या आरएसएस को लगता है ये जनतंत्र के लिए सही है। वहीं आखिर में पूछा कि क्या आरएसएस को नहीं लगता है कि भाजपा जनतंत्र को कमजोर कर रही है। वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल को लिखी चिट्ठी वहीं दूसरी तरफ दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है। वीरेंद्र सचदेवा ने पत्र में लिखा कि आपको नए साल की शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करता हूं। हम सभी बचपन से ही, नव वर्ष के दिन में बुरी आदतों को छोड़ने और अच्छे और कुछ नए कार्य करने का संकल्प लेते हैं। आगे लिखा कि आज नव वर्ष 2025 के पहले दिन आप भी झूठ बोलने की, छल कपट करने की अपनी गलत आदतें छोड़ कर खुद में सार्थक परिवर्तन लायेंगे। ऐसी सभी दिल्ली वाले आशा रखते हैं। मेरा आग्रह है कि आप भी कम से कम यह पांच संकल्प इस वर्ष जरूर लें।

1. मुझे विश्वास है कि आप अब कभी भी अपने बच्चों की झूठी कसम नहीं खाएंगे। 2. आप दिल्ली की महिलाओं, बुजुर्गों और धार्मिक जनों की भावनाओं से झूठे वादे करके कर रहे खिलवाड़ को बंद करेंगे।

लॉबी को अधिक मजबूत करे भारत

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी ॅभ्व की भूमिका वैश्विक स्वास्थ्य संकटों से निपटने और बेहतर स्वास्थ्य प्रणालियां स्थापित करने में अहम रही है। ॅभ्व का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों का निर्माण करना, देशों को अपने स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार में मदद करना, रोगों की निगरानी करना और रोग नियंत्रण के लिए उपायों का सुझाव देना है। साथ ही, ॅभ्व शिक्षा, प्रशिक्षण और वैश्विक स्वास्थ्य कार्यकुशलता को बढ़ावा देता है और वैश्विक सुरक्षा को सुनिश्चित करता है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ पर समय–समय पर कुछ आरोप भी लगाए जाते रहे हैं, जैसे दवा कंपनियों के साथ संबंध, उनके लिए नीति बनाना और वैश्विक नीतियों में व्यवसायिक हितों को प्राथमिकता देना। ऐसे आरोपों के पीछे व्यापारिक दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संबंध भी कारण हो सकते हैं।

भारत ने वैश्विक मंचों पर अपनी बढ़ती ताकत और प्रभाव का प्रमाण दिया है और आज वह स्वास्थ्य, कूटनीति और विकास के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वैश्विक स्वास्थ्य में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। अब, डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी भारत अपने प्रयासों को बढ़ाकर वैश्विक स्वास्थ्य क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकता है। अभी भारत के पास डब्ल्यूएचओ जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रभावशाली भूमिका निभाने का एक बड़ा अवसर है। कोविड–19 महामारी के दौरान भारत ने न केवल अपनी घरेलू स्वास्थ्य संकट को नियंत्रित किया, बल्कि दुनियाभर के देशों को टीकों और दवाइयों का भी सहयोग दिया। भारत का फार्मा उद्योग, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बायोकॉन जैसी कंपनियां शामिल हैं, डब्ल्यूएचओ के लिए अहम साझेदार हैं। भारत, जो दवाइयों का सबसे बड़ा निर्माता है, ने पोलियो, मलेरिया और टीबी जैसी वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए कई योजनाओं का विकास किया है। इससे यह साफ होता है कि भारत के पास वैश्विक स्वास्थ्य में योगदान देने की क्षमता है। भारत ने इस महामारी में न केवल अपने देश को स्वस्थ रखा, बल्कि उसने वैश्विक स्तर पर एक मजबूत नेतृत्त्व भी दिखाया है।

में भारत की भूमिका अब पहले से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो गई है। भारत ने हमेशा विकासशील देशों की आवाज को उठाया है और अब समय है कि वह वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों को प्रभावित करने के लिए और भी सक्रिय कदम उठाए। भारत की विशाल जनसंख्या और विविधता, उसकी सबसे बड़ी ताकत है, जो उसे वैश्विक मंचों पर एक महत्त्वपूर्ण स्थिति देती है। जब भारत किसी मुद्दे पर बोलता है, तो वह न केवल अपने देश की समस्याओं को उजागर करता है, बल्कि अन्य विकासशील देशों की चिंताओं को भी प्रमुखता से प्रस्तुत करता है। भारत को यह समझना होगा कि डब्ल्यूएचओ में प्रभावी भूमिका निभाने का मतलब सिर्फ अपनी शक्ति बढ़ाना नहीं है, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य नीति निर्धारण में सक्रिय रूप से भाग लेना है। भारत को अपने वैश्विक स्वास्थ्य प्रयासों को और मजबूत करते हुए, डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों में सुधार करने के लिए योगदान देना चाहिए ताकि दुनिया भर के विकासशील देशों के हितों को सही रूप से प्रस्तुत किया जा सके। यह समय है जब भारत अपनी भूमिका को और अधिक मजबूत और प्रभावशाली बनाए।

अच्छा कदम

कानून की नजर से देखें तो सड़क पर सबसे पहले चलने का अधिकार पैदल चलने वाले का होता है। जबकि शहरों में सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल और गायब होते फुटपाथों को देखकर तो कहीं लगता नहीं कि पैदल चलने के इस अधिकार की जरा सी भी रक्षा की जा रही है। अब शहरी नियोजन एवं विकास पर सुझाव देने के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति ने शहरों की सड़क योजना में पैदल व साइकिल से चलने वालों का खास ध्यान रखने की बात कहते हुए इन्हें भी यातायात की परिभाषा में शामिल करने की सिफारिश की है। केंद्र सरकार के वर्ष 2022 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप यह उच्च स्तरीय समिति बनाई गई थी। समिति की सिफारिश पर अमल करने की ज्यादा जरूरत इसलिए भी है क्योंकि सड़क हादसों में होने वाली मौतों में बीस फीसदी पैदल चलने वाले होते हैं। हैरत की बात यह है कि हमारे शहरों में जब कभी सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ता है तो सबसे पहले फुटपाथ छोटे करने या इन्हें खत्म ही कर देने का काम होता है। सड़कों पर सुगम व सुरक्षित आवागमन की योजनाओं में पैदल चलने का अधिकार न जाने कहां गुम हो जाता है?पिछले साल ही केंद्र सरकार की ओर से यातायात–परिवहन से जुड़ी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि देश के शहरों में 74 फीसदी से ज्यादा सड़कें फुटपाथ रहित है। जहां कहीं फुटपाथ है भी तो उनका अधिकांश हिस्सा पैदल चलने लायक नहीं है। यानी पैदल चलने के लिए सुरक्षित रखे जाने वाले फुटपाथ भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं। बचे–खुचे फुटपाथों पर चलने वालों से पूछा जाए कि उन्हें कितनी बाधाएं पार करनी पड़ी तो गिनती बताना ही मुश्किल होगा। एक तरफ शहरों में सार्वजनिक परिवहन के साधनों की कमी रहती है, वहीं दूसरी ओर पैदल या साइकिल से आवागमन करना चाहने वाले हर वक्त डरे–सहमे से रहते हैं। चलने का अधिकार देना और इसे कठोरता से लागू करना दोनों अलग–अलग विषय हैं।यह सचमुच चिंता का विषय है कि सड़कों का जाल जिस विस्तार से फैल रहा है, उससे कहीं ज्यादा रफ्तार से पैदल चलने वालों की हादसों में मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। हालांकि सड़क निर्माण के कानून–कायदों में पैदल चलने वालों की सुरक्षा भी तय की हुई है। सबसे अहम जरूरत इन सड़कों के निर्माण के वक्त ही फुटपाथ और साइकिल ट्रेक के लिए अलग से जगह छोडने की है तब ही हादसों पर अंकुश लग सकेगा। पैदल चलने वाले व साइकिल चालकों के लिए कानूनी प्रावधान करना ही काफी नहीं, सख्ती से अमल भी जरूरी है। ठोस उपाय नहीं किए गए तो ये सदैव खुद को असुरक्षित ही महसूस करते रहेंगे।

२०२४ में भारत का खेल जगत में उदय

वर्ष 2024 में भारत का वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में उदय हुआ है, जिसे विभिन्न क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियों की एक श्रृंखला के जरिये रेखांकित किया जा सकता है। यह उल्लेखनीय सफलता, पिछले एक दशक में पीएम मोदी के नेतृत्व में किये गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इन प्रयासों में शामिल हैं, खेलो इंडिया जैसी ऐतिहासिक पहल, जो जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए बनाई गई है और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स), जो शीर्ष एथलीटों को विश्व स्तरीय समर्थन प्रदान करता है। हाल के वर्षों की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ, जैसे एशियाई खेल, 2023 में भारत द्वारा जीते गए रिकॉर्ड 107 पदक, कई चौंपियनशिप और ओलंपिक में नीरज चोपड़ा का शानदार प्रदर्शन, फिट इंडिया अभियान, खेलो इंडिया के विभिन्न आयोजन, आदि भारतीय खेलों के स्वर्णिम युग की ओर निरंतर प्रगति को प्रदर्शित करते हैं।

खेल महज मनोरंजन से बढ़कर एक सम्मानित करियर विकल्प बन गए हैं, जो लाखों युवा भारतीयों को अपने एथलेटिक सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

पीएम मोदीरू भारतीय खेलों के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत!

प्रधानमंत्री मोदी ओलंपिक और राष्ट्रीय खेलों सहित विभिन्न आयोजनों में एथलीटों से निरंतर संवाद करते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनके भाषणों में भी अक्सर भारतीय एथलीटों की सफलताओं का उल्लेख किया जाता है, जिससे नागरिकों में गर्व की भावना पैदा होती है।

क) पेरिस ओलंपिक के बाद, उन्होंने पदक विजेताओं और पदक से चूकने वालों, दोनों की प्रशंसा की तथा इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक एथलीट की यात्रा भारत की खेल विरासत में योगदान देती है।

ख) पेरिस पैरालिंपिक 2024 से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से भारतीय दल की सफलता की कामना करते हुए कहा कि उनका साहस और दृढ़ संकल्प पूरे देश को प्रेरित करता है। खेल आयोजन के बाद, सभी खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री आवास पर आमंत्रित किया गया, जहां प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया और खेलों में उनके प्रयासों की सराहना की। पैरा–ओलंपिक खिलाड़ी योगेश कथुनिया ने प्रधानमंत्री को श्परम मित्रश कहा और प्रत्येक खिलाड़ी को उनसे मिलने वाले प्रोत्साहन पर प्रकाश डाला।

ग) स्वर्ण पदक विजेता जैवलिन खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से मुलाकात के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी मां से संपर्क किया, जिसने लोगों के दिलों को छूआ। उन्होंने एक हल्के–फुल्के पल को साझा किया कि कैसे वे टोक्यो ओलंपिक में नीरज की जीत के बाद उनके प्रसिद्ध लड्डू की तैयारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस व्यक्तिगत भाव ने न केवल मोदी की गर्मजोशी को दर्शाया, बल्कि एक एथलीट की यात्रा में परिवार के समर्थन के महत्व को भी उजागर किया।घ) शतरंज खिलाड़ी वंतिका अग्रवाल से एक विशेष उपहार प्राप्त करने पर पीएम मोदी भावुक हो गए। वंतिका अग्रवाल ने उन्हें 2012 में श्स्वामी विवेकानंद महिला शतरंज महोत्सवश की एक तस्वीर भेंट की, जहाँ गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में पीएम मोदी उन्हें पुरस्कार दे रहे थे।ऐसे अनगिनत क्षण हैं, जो एथलीटों के साथ पीएम मोदी के व्यक्तिगत जुड़ाव को उजागर करते हैं, उन्हें प्रेरित करते हैं, उन्हें मूल्यवान महसूस कराते हैं और उन्हें देश के लिए जीतने के लिए प्रेरित करते हैं। वे टूर्नामेंट से पहले, उसके दौरान और बाद में लगातार उनसे बातचीत करते हैं, चाहे वे जीतें या हारें, पूरे समय उनका उत्साहवर्धन करते हैं। वे वास्तव में उनके लिए शक्ति के स्तंभ हैं।

भारतीय खेल बड़े सपनों की ओर –2036 में भारत में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के प्रधानमंत्री मोदी के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आधिकारिक तौर पर आयोजन के प्रति देश की रुचि व्यक्त की है। नवंबर में, आईओए ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भावी मेजबान आयोग को एक आशय पत्र प्रस्तुत किया, जो इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के लिए भारत की औपचारिक बोली लगाने को चिह्नित करता है।खेलो इंडिया और टॉप्स ने वैश्विक खेल में भारतीय पहचान को बढ़ावा दिया–खेलो इंडिया और टॉप्स जैसे कार्यक्रमों के लिए मोदी सरकार का निरंतर समर्थन भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 'खेलो इंडिया' योजना का उद्देश्य देश भर में खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक जन अभियान को बढ़ावा देना है। 119 मिलियन डॉलर के वार्षिक बजट के साथ, यह योजना जमीनी स्तर पर प्रतिभा की पहचान और विकास करती है और हर साल 2,700 से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

दरअसल, हांग्जो में आयोजित एशियाई खेलों में भाग लेने वाले भारतीय दल में 124 खेलो इंडिया एथलीट शामिल थे और उन्होंने 106 पदकों में से 42 पदक जीतकर योगदान दिया। खेलो इंडिया महिला लीग का नाम बदलकर अस्मिता महिला लीग कर दिया गया। 2021 से अब तक अस्मिता के लगभग चार सत्र आयोजित किए जा चुके हैं, जिसमें 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 83615 महिलाओं ने 20 खेलों में भाग लिया है।

खेलो इंडिया योजना के तहत कुल 2,781 एथलीटों (केआईए) की पहचान की गई है और उन्हें विशेष कोचिंग, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और मासिक भत्ते सहित व्यापक सहायता प्रदान की जा रही है। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए, 117 एथलीटों के भारतीय दल में 28 केआईए शामिल थे, जो कार्यक्रम की सफलता और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में भारत के प्रदर्शन को बढ़ाने में केआईए की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। श्टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स)श एथलीटों को ओलंपिक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में सहायता करती है। विशेष रूप से, पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 117 एथलीटों में से 28 खेलो इंडिया एथलीट थे। इसी तरह, 18 खेलो इंडिया एथलीटों वाली भारत की पैरालंपिक टीम ने अब तक 29 पदक हासिल किये हैं, जो पेरिस पैरालिंपिक 2024 में अब तक का सर्वोच्च है।

ओलंपिक 2024 में भारत

यह वर्ष भारत की खेल यात्रा के लिए एक परिवर्तनकारी वर्ष साबित हुआ है, जिसमें ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों की उपलब्धियाँ शामिल हैं। खेल उत्कृष्टता के प्रति भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए 470 करोड़ रुपये से अधिक के ऐतिहासिक वित्तीय आवंटन के माध्यम से स्पष्ट होती है। मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित करने में अद्वितीय समर्थन दिखाया कि एथलीटों को आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छा वातावरण मिले, ओलंपिक खेल गाँव में एथलीटों को 40 पोर्टेबल एयर कंडीशनर प्रदान किए। एथलीटों की जरूरतों के प्रति यह संवेदनशीलता, खेल अवसंरचना की बारीकियों पर भारत के बढ़ते ध्यान को दर्शाती है।

मनु भाकर ने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। स्वप्निल कुसाले ने निशानेबाजी में तीसरा पदक जीता, इस प्रकार यह एक ही ओलंपिक के किसी एक खेल में भारत का सबसे अधिक पदक रहा। भाला फेंक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज चोपड़ा सबसे सफल ओलंपियक खिलाड़ी बन गए। कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर अमन शेरावत भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बन गए। भारत का अब तक का सबसे सफल पैरालंपिक अभियान 2024 पेरिस खेलों में शुरू हुआ, जहाँ भारतीय एथलीटों ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल करते हुए रिकॉर्ड तोड़ 29 पदक हासिल किएय 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य। यह उपलब्धि भारत के पैरालंपिक इतिहास में एक नया शिखर है, जो विश्व मंच पर देश की बढ़ती प्रमुखता को प्रदर्शित करता है।

अवनी लेखारा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नितेश कुमार ने बैडमिंटन में अपना दबदबा कायम रखते हुए पुरुष एकल एसएल3 में स्वर्ण पदक जीता। सुमित अंतिल और धरमबीर ने क्रमशः पुरुषों की भाला फेंक एफ64 और पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 में स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में अपना नाम जोड़ा। तीरंदाजी में हरविंदर सिंह ने पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीता, जबकि नवदीप सिंह ने पुरुषों की भाला फेंक एफ41 में जीत हासिल की। कई अन्य एथलीटों ने देश की प्रभावशाली पदक संख्या में योगदान दिया, जिससे यह भारतीय पैरा–स्पोर्ट्स के लिए वास्तव में सामूहिक उपलब्धि बन गई। खेलो इंडिया और टॉप्स जैसी सरकारी पहलों के समर्थन ने इन एथलीटों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे वे बाधाओं को पार करके वैश्विक मंच पर भारत को प्रमुख स्थान दिला पाए हैं।

विभिन्न खेलों में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

शतरंज में, गुकेश डी. हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चौंपियन बने, जिन्होंने कम उम्र में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करके भारत को बहुत गौरवान्वित किया है। 2024 में शतरंज की विरासत वैशाली रमेश बाबू जैसी विलक्षण प्रतिभा के साथ जारी रही, जिन्हें फिडे द्वारा ग्रैंडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया है। वैशालीय कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के साथ शामिल होने वाली तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर हैं। भारत की शतरंज टीम ने हंगरी में 45वें शतरंज ओलंपियाड में ओपन और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। महिला टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन में पहला स्वर्ण पदक हासिल किया।

क्रिकेट में, भारत के बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक विराट कोहली को आईसीसी वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर 2023 से सम्मानित किया गया। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी मेन्स टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 का पुरस्कार जीता। यह इस श्रेणी में उनका लगातार दूसरा पुरस्कार था। 23 वर्षीय घुड़सवार दिव्याकृति सिंह ने उल्लेखनीय अर्जुन पुरस्कार हासिल किया है और उन्होंने घुड़सवारी के क्षेत्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला के रूप में अपना स्थान बनाया है।

भारत की महिला युगल जोड़ी अयहिका मुखर्जी और सुतिर्था मुखर्जी ने कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित एशियाई टेबल टेनिस चौंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल करके इतिहास रच दिया, जो इस वर्ग में देश का पहला पदक है।

भारत के पहलवानों ने किर्गिस्तान में एशियाई कुश्ती चौंपियनशिप में चार रजत और पाँच कांस्य पदक जीते, जिससे महाद्वीपीय मंच पर उनकी योग्यता साबित हुई। भारत ने दुबई में आयोजित एशियाई अंडर–20 एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2024 में सात स्वर्ण, 11 रजत और 11 कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के गुलवीर सिंह ने जापान में हचियोजी लॉन्ग डिस्टेंस 2024 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। भारत के मान सिंह ने हांगकांग, चीन में दो घंटे, 14 मिनट और 19 सेकंड (2रू14रू19) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ एशियाई मैराथन चौंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीता।

मुक्केबाजी की दुनिया में, भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉपेनिश सिटी में अमेरिकी गेरार्डो एस्क्विवेल को हराकर अमेरिका स्थित राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ का अंतरमहाद्वीपीय सुपर फेदरवेट खिताब जीता। भारत ने मालदीव के सुरम्य थुलुसधू द्वीप में आयोजित एशियाई सर्फिंग चौंपियनशिप 2024 में एक टीम इवेंट, मारुहाबा कप में चीनी ताइपे और चीन को पछाड़कर रजत पदक जीता। ब्रूनेई के बंदर सेरी बेगावान में जूनियर विश्व वुशु चौंपियनशिप में भारतीय टीम ने दो स्वर्ण सहित सात पदकों की शानदार जीत हासिल की।

इनके अलावा भारत में महिला क्रिकेट को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, कैपरी स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम यूपी वॉरियर्स को संयुक्त राष्ट्र महिला संघ द्वारा श्पीढ़ी की समानता सहयोगीश के रूप में मान्यता दी गई है। भारतीय खेल के लिए यह उल्लेखनीय वर्ष, देश के एथलीटों की अथक समर्पण और प्रतिभा को रेखांकित करता है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कीर्तिमान रचता मध्यप्रदेश

वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों के अनुकूल पर्यावरण संरक्षित प्रदेश बनने में मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान रचने जा रहा है। वर्ष 2012 में प्रदेश की लगभग 500 मेगावॉट नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता थी। वर्तमान में कुल क्षमता बढ़कर 7 हजार मेगावॉट हो गयी है, जो कि विगत 12 वर्षों में लगभग 14 गुना बढ़ी है। राज्य की कुल ऊर्जा क्षमता में नवकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर 21 प्रतिशत हो गयी है। राज्य सरकार की नवकरणीय ऊर्जा की उत्पादन क्षमता को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 20 हजार मेगावॉट करने की योजना है। आज प्रदेश में मौजूद रीवा और ओंकारेश्वर जैसी विश्व–स्तरीय सौर परियोजनाएँ देश में राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प और इच्छा–शक्ति का गौरव–गान कर रही हैं।

मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार करने में अग्रणी रहा है। रीवा सोलर प्रोजेक्ट 1590 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित है। यह विश्व के सबसे बड़े सिंगल साइड सौर संयंत्रों में से एक है। इस प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन को एक आदर्श के रूप में पहचान मिली है। परियोजना से उत्पादित ऊर्जा का 76 प्रतिशत अंश पावर मैनेजमेंट कम्पनी उपयोग कर रही है। पहली बार ओपन एक्सेस से राज्य के बाहर दिल्ली मेट्रो जैसे व्यावसायिक संस्थान को उत्पादित बिजली का शेष 24 प्रतिशत अंश भी प्रदान किया जा रहा है। इससे प्रतिवर्ष 15.7 लाख टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन को रोका जा रहा है, जो 2 करोड़ 60 लाख पेड़ लगाने के बराबर है। प्रोजेक्ट को गवर्मेंट ऑफ इण्डिया की ॠ ष्नवाचार की पुस्तकरू नई शुरुआतष्वर्ष 2017 में शामिल किया गया। रीवा सोलर प्रोजेक्ट को हार्वर्ड विश्वविद्यालय और सिंगापुर मैनेजमेंट विश्वविद्यालय में केस स्टडी के रूप में शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, इस प्रोजेक्ट को वर्ल्ड बैंक प्रेसीडेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। इसे नवाचार के लिये प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिये भी चयनित किया गया है। यह प्रोजेक्ट पारम्परिक कोयला आधारित बिजली से कम दरों पर सौर ऊर्जा प्राप्त करने वाली भारत की पहली परियोजना है।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए मध्यप्रदेश में वर्तमान में आगर–शाजापुर–नीमच में 1500 मेगावॉट क्षमता का सोलर पार्क निर्माणाधीन है। इसमें आगर जिले की 550 मेगावॉट की क्षमता स्थापित की जा चुकी है। शाजापुर एवं नीमच जिले की 780 मेगावॉट क्षमता अक्टूबर

2024 तक पूर्ण कर ली जायेगी। इसके अतिरिक्त मंदसौर में 250 मेगावॉट का सोलर पार्क तैयार किया गया है। इससे उत्पादित ऊर्जा मध्यप्रदेश की वितरण कम्पनियों द्वारा क्रय की जा रही है।

प्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा के तट पर बसे ओंकारेश्वर में विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट (पानी पर तैरने वाली सौर परियोजना) विकसित किया जा रहा है। इसकी क्षमता 600 मेगावॉट है। इससे बहुमूल्य भूमि की बचत होगी। पैनल से पानी की सतह को ढंकने से वाष्पीकरण द्वारा होने वाले जल की हानि को कम किया जा सकेगा। परियोजना की स्थापना से कोई विस्थापित नहीं होगा। पैनल्स की सफाई के लिये भूमिगत जल की आवश्यकता भी नहीं रहेगी। ओंकारेश्वर प्रोजेक्ट की प्रथम चरण में 200 मेगावॉट क्षमता स्थापित हो चुकी है। कुल 3900 करोड रुपए की लागत से संपूर्ण 600 मेगावॉट की क्षमता स्थापित होने पर यह 12 लाख टन कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी और वर्ष 2070 तक भारत सरकार के शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन मिशन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी। उक्त परियोजना जल वाष्पीकरण को कम करके जल संरक्षण में भी सहायक होगी।प्रदेश को नवकरणीय ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के अतिरिक्त देश के उन राज्यों, व्यवसायिक संस्थानों को भी नवकरणीय ऊर्जा आपूर्ति हेतु प्रयासरत हैं, जहाँ इसकी उपलब्धता कम है अथवा आवश्यकता है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे इन सभी प्रयासों के माध्यम से प्रदेश को ष्हार्ट ऑफ इंडियाष के साथ साथ ष्लंग्स आफ इंडियाष तैयार करने का विजन रखा गया है। प्रदेश सरकार की नई नवकरणीय ऊर्जा नीति–2022 का लक्ष्य नवकरणीय ऊर्जा परियोजना विकास के लिए प्रदेश में समग्र वातावरण का विकास करना है।

प्रदेश में किसानों को भी ऊर्जा उत्पादक बनने का अवसर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री कुसुम–अ एवं कुसुम–स के माध्यम से हम अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का कार्य भी पूर्ण तत्परता से कर रहे हैं। प्रदेश में पीएम सूर्य घर योजना में सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप की स्थापना का कार्य वर्ष 2025 के अंत तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। मुरैना सोलर पार्क अंतर्गत ऊर्जा 440 मेगावॉट म 4 घ्ह्म् ऊर्जा भण्डारण परियोजना के अतिरिक्त 2000 मेगावॉट म 6 घ्ह्म् पंप हाइड्रो ऊर्जा भण्डारण परियोजना निर्माण हेतु निविदा पर कार्यवाही की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। मध्यप्रदेश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के साथ ही पूरे विश्व में एक रोल मॉडल बनाना है।

बैंकों में पत्रावलियॉ को बेवजह लम्बित न रखें जल्द निस्तारण करायें-डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने उद्यमियों की समस्याओं के सम्बन्ध में अब तक की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। उद्यमियों ने बैठक के दौरान अपनी-अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष अवगत कराया। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति प्रदान करते हुये इन उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित किये जाने तथा प्रदेश में पूंजी निवेश को आकर्षित करने हेतु प्रतिवर्ष 01 लाख नई सूक्ष्म इकाईयां स्थापित किये जाने के महत्वपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक महत्वाकांक्षी नई योजना "मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रारम्भ की गयी है जिसके अन्तर्गत उ0प्र0 के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर नय सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजित करना है। इस योजना हेतु आवेदन की आयु 21 वर्ष से 40 वर्ष होनी चाहिये, आवेदक की शैक्षिक योग्यता न्यूनतम कक्षा-8 उत्तीर्ण होनी चाहिये, इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण अथवा समकक्ष को वरीयता दी जायेगी, इस योजना में रूपये 5 लाख का 4 वर्ष हेतु ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जायेगा, परियोजना लागत का

10 प्रतिशत अतिरिक्त मार्जिन मनी सब्सिडी देय है। आवेदक द्वारा संचालित प्रशिक्षण योजनाओं जैसे विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद एवं टूलकिट योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना, उ0प्र0 स्किल डेवलपमेन्ट मिशन द्वारा संचालित कौशल उन्नयन आदि में प्रशिक्षित हो अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय/शैक्षणिक संस्थान में कौशल सम्बन्धी सर्टीफिकेट कोर्स/डिप्लोमा/डिग्री पास हो।

इसी प्रकार उन्होने बताया गया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना में बैंकों को 20 आवेदन पत्र प्रेषित किये गये है जिनमें से 12 आवेदन पत्र स्वीकृत किया गये है जिसके सापेक्ष 11 आवेदन पर ऋण वितरित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में विभिन्न बैंकों को 202 आवेदन पत्र प्रेषित किये गये है जिनमें से 80 आवेदन स्वीकृत किये गये जिसके सापेक्ष 72 आवेदनों पर ऋण वितरण की कार्यवाही की गयी है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत अभी तक कोई लक्ष्य प्राप्त नही हुआ है।

जिलाधिकारी ने बैंकों के समन्वयकों को निर्देशित किया कि बैंकों में पत्रावलियॉ को बेवजह लम्बित न रखें जल्द से जल्द उसका निस्तारण किया जाये और ऋण वितरण की कार्यवाही भी की जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने आये हुये उद्यमियों की समस्याओं को सुना एवं उनके शिकायती पत्रों को सम्बन्धित अधिकारियों को हस्तगत करते हुये निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने उद्यमियों/व्यापारियों से कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगाने पर सरकार द्वारा अच्छी सब्सिडी दी जा रही है इसका ज्यादा से ज्यादा आवेदन करके लाभ उठाये। उन्होने यह भी कहा कि स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा ठण्ड के दौरान जो भी कम्बल वितरण की कार्यवाही की जा रही है उसकी सूचना जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण को उपलब्ध करायी जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी, बैंकों के जिला समन्वयक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमियों में मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य, अनुराग खण्डेलवाल सहित अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

बंधु राज नारायण की मनायी पुण्यतिथि

सोनभद्र। भारतीय राजनीति के कबीर स्व0लोक बंधु राज नारायण की पुण्यतिथि उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए शत-शत नमन किया गया। कार्यक्रम में सपा जिला कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष राम निहार यादव के नेतृत्व में मनाया गया। तत्पश्चात् संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय राजनीति के कबीर स्व0लोक बंधु राज नारायण एक ऐसे राजनीतिज्ञ थे जिन्होने अपने जीवन काल में सत्ता के लिए कभी राजनीति नहीं किया। इस मौके पर अशोक पटेल, अनिल प्रधान, संतोष यादव, विष्णु कुशवाहा, शौर्य त्रिपाठी, मनोज यादव आदि मौजूद रहे।

12 दिवसीय विंटर कैम्प का हुआ शुभारंभ

चोपन,सोनभद्र। कड़ाके की ठंड में स्कूलों में हुई छुट्टियों में नन्हे मुन्ने बच्चों को कुछ नया सीखने का अवसर मिले, इसी उद्देश्य को लेकर 12 दिवसीय विंटर कैम्प मस्ती की पाठशाला का शुभारंभ वर्ष के अंतिम दिन मंगलवार को किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मार्गदर्शक प्रिया भाटिया ने नन्हे मुन्ने प्रतिभागी बच्चों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती की वंदना से किया। प्रथम दिवस बच्चों ने मौज मस्ती के साथ डांस, परिचय, पासिंग द पार्सल और म्यूजिकल जैसे खेलों का आनंद उठाया। कार्यक्रम को लेकर बच्चे उत्साहित दिखाई दिए। उल्लेखनीय है कि बीते दो वर्षों में गर्मियों एवं शीतकालीन अवकाश के दौरान आयोजित होने वाली मस्ती की पाठशाला ने बच्चों एवं अभिभावकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है।

संक्षेप

कोटेदार अब नही कर सकते राशन की कालाबाजारी : साकेन्द्र वर्मा

बड्डूपुर, बाराबंकी।भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी और सुशासन दिवस की पूर्व संध्या पर स्थानीय विधायक ने अन्नपूर्णा भवन का फीता काट कर उद्घाटन किया विकास खण्ड निन्दूरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बहरौली स्थित कंपोजिट विद्यालय के पास बनाए गए अन्नपूर्णा गोदाम का मंगलवार को स्थानीय विधायक साकेद्र प्रताप वर्मा ने फीता काटकर उद्घाटन किया। विधायक ने कहां की अभी तक कोटेदार दुकानें अपने घरों में संचालित करते थे। कुछ लोग नाराज होते थे। तो कुछ लोग खाद्यान्न लेने

नाराजगी के चलते नहीं लेने जाते थे। मोदी योगी की सरकार ने ग्राम पंचायतों में अन्नपूर्णा गोदाम बनाने का कार्य किया है। अब खाद्यान्न लेने में किसी को किसी के घर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार वर्मा, ग्राम प्रधान मंजू यादव, सचिव सुधाकर, प्रधान प्रतिनिधि दीपक यादव, विशाल सिंह, प्रदीप कुमार, श्रीश रावत, उमेश यादव, सुनील कुमार विष्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

आजमगढ़।(आरएनएस) आजमगढ़ के अनुरोध साहित्य कला केंद्र के प्रतिभागियों ने देहरी रोहतास बिहार में अभिनव कला संगम द्वारा आयोजित 31वीं अखिल भारतीय बहुभाषीय लघु नाटक प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें आजमगढ़ के अनुरोध साहित्य कला केंद्र के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अपनी जोरदार प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों को इनाम और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गोपाल, विभय हर्ष,सुमन, सुधाकर,सिखा,सुदीप, विनय,राज,अनुराधा, करन,प्रियांशु,शिवांगी, जीत निषाद (गोलू) आदि लोग रहे।

युवक ने टांगी से किया वार

आजमगढ़।(आरएनएस)गंभीरपुर थाना क्षेत्र के अमौड़ा गांव में खेत बुवाई के लिए नर्गट की सफाई करने पर सोनू पुत्र रमाकांत सरोज के ऊपर तीन लोगों ने टांगी से सर पर वार कर दिया जिससे वह घायल हो गया।सोनू द्वारा गंभीरपुर थाना पर दी गई तहरीर के मुताबिक गंभीरपुर थाना क्षेत्र के अमौड़ा गांव निवासी सोनू पुत्र अपने खेत की बुवाई के लिए खेत के सामने नरगट की सफाई कर रहा था इस समय गांव के ही यशपाल पुत्र शिवहरक, अजय पुत्र हरिलाल, शिव हरक पुत्र फूलचंद उसके ऊपर जान मारने की नीयत से सर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिए जिससे उसके सर में गंभीर चोट आ गई है। आनंद फाइनेंस में सोनू को लोग एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गए।

मंडल अध्यक्ष चुने जाने पर हर्ष

आजमगढ़।(आरएनएस)भारतीय जनता पार्टी के सगड़ी विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष हरैया से सुधीर राय को और रोनापार से मंडल अध्यक्ष बिरेंदर पटेल को बनाए जाने पर पार्टी के अन्य क्षेत्रीय पदाधिकारोयों और कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई खिलाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया।स्वागत समारोह में आशीष सिंह समाजसेवी, कैलाश राय प्रबंधक, पवन राय उर्फ भूंवर राय,मिंटू राजेंद्र उपाध्याय, रौनापार में पंकज सिंह ,सुनील सिंह आदि लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

एकमुश्त समाधान योजना का उपभोक्ता उठाये लाभ : अभिषेक

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। क्षेत्र के कस्बा किंतूर में मंगलवार को अधिशासी अभियंता डीके यादव के निर्देश पर उपखंड अधिकारी अभिषेक मल्ल और अवर अभियंता राज मौर्य के नेतृत्व में एकमुश्त समाधान योजना को लेकर कैंप लगाया गया। कैम्प में 5 लाख 12 हजार का बकाया जमा किया गया तथा बकाय न जमा करने पर 37 बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए। कैम्प में 90 उपभोक्ताओं ने ओटीएस योजना में लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। 120 रसीद काटी गई। कई उपभोक्ताओं का बिल संसोधन किया गया।कैम्प में विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं को छूट से संबंधित जानकारी देते हुए उपभोक्ताओं से अपील किया कि सरकार द्वारा लाई गई एक मुश्त समाधान (ओटीएस) योजना का लाभ ले।और अपना बकाया जमा करें। उपखंड अधिकारी अभिषेक मल्ल ने उपभोक्ताओं से कहा कि प्रथम चरण 15 दिसंबर से 31 तक दिसंबर द्वितीय चरण 1 जनवरी 15 तक तृतीय चरण 16 जनवरी 31 तक अपना बकाया बिल जमा कर दें।जिसमें उपभोक्ताओं को भारी छूट दी जा रही है।

मानस पंडाल में श्रद्धालुओं की उमड़ रही भारी भीड़

सोनभद्र। नगर के आरटीएस क्लब मैदान में चल रहे हैं श्री रामचरितमानस नवाह पाठ महायज्ञ के आठवें दिन श्री राम दरबार का भव्यता के साथ श्रृंगार किया गया इसके पश्चात मुख्य व्यास श्री सूर्य लाल मिश्र एवं भूदेव ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और यहां से ही आठवें दिन की पाठ की शुरुआत हुई जिसमें रावण वध का प्रसंग हुआ। मुख्य आचार्य सूर्यलाल मिश्र के मुखारविंद से जैसे ही याद दोहा प्रसारित हुआ दृ खैची सरासन श्रवन लगी छाडेड़ सर एकतीस। रघुनायक सायक चले मानहूब काल फीस।। भगवान श्री राम कान तक धनुष को खींचकर 31 बाण छोड़े वह बाण ऐसे चले मानो कालसर्प हो और इन बाणो ने दशानन के नाभि के अमृत कुंड को सोख और वह पृथ्वी पर गिर पड़ा। देखकर देवताओं, मुनियों, किन्नरों गंधर्वों के समूह भगवान श्री राम के ऊपर फूल बरसाने लगे कहते हैं कृ पालु की जय हो, मुकुल की जय हो जय हो। इस भव्य मनोरम दृश्य को देखकर मानस पंडाल में उपस्थित भक्तजनों ने भगवान श्री राम की जय हो का लगगनभेदी उद्घोष किया और इस अवसर पर पटाखे छोड़े गए, भगवान श्रीराम की भव्य झांकी का दर्शन कर भक्तो आध्यात्मिक आनंद उठाया इस आनंदमई बेला में भगवान श्री राम पर पुष्पों की वर्षा की गई। इसके पूर्व लंकापति रावण ने उपस्थित भूदेव की परिक्रमा किया और राम रावण संवाद बड़े ही रोचक ढंग से संपन्न हुई। वही एक दिन पूर्व रात्रि प्रवचन में प्रसिद्ध कथावाचक नीरज भैया ने हनुमान जी की भगवान राम से मिलन की एवं राम सुग्रीव की मित्रता की कथा एवं अशोक वाटिका में सीता जी द्वारा अग्नि माने जाने पर हनुमान द्वारा श्री राम की दी हुई अंगूठी के देने की कथा सुनाई गई। इस अवसर पर महामंत्री सुशील पाठक, अध्यक्ष सत्यपाल जैन, शिशु त्रिपाठी, नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद,रहे।

फ्रेशर्स पार्टी में सलोनी प्रथम, प्रिया द्वितीय, ज्योति तृतीय हुई सम्मानित

सोनभद्र। विन्ध्य कन्या पीजी कालेज राबर्टसगंज में बीएड तृतीय सेमेस्टर की छात्राओ द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन मंगलवार को किया गया। कायक्रम के पारम्भ म महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० अंजली विक्रम सिंह तथा चीफ ट्रस्टी डॉ० अजय कमार सिंह द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया तत्पश्चात छात्राओं ने देश भक्ति गीत, नत्र्य, नाटक, एकांकी आदि की शानदार प्रस्तुति कर अध्यापको एवं छात्राओं को तालियां बजाने के लिए विवश कर दिया। छात्राओं में मुख्य रूप से कुमकुम, शैलजा, वैशाली, स्नेहा, स्मिता आदि ने प्रतिभाग किया। फ्रेशर्स में सलोनी गुप्ता प्रथम, प्रिया मिश्रा द्वितीय, ज्योति मौर्या तृतीय स्थान प्राप्त किया। कायक्रम को सम्बोधित करते हए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० अजंली विक्रम सिंह छात्राओ के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा छात्राओ को सफलता के मत्रं भी दिये ।

मानसिक स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ

पहाड़ी (चित्रकूट)।(आरएनएस) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में मानसिक स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ मंगलवार को मुख्य अतिथि पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने फीता काटकर किया।

पूर्व सांसद ने कहा कि सरकार ने सभी बीमारियों के इलाज की व्यवस्था की है। मानसिक रोगियों के इलाज की सुविधा भी मुहैया कराई जाती है। कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों आयुष्मान गोल्डन कार्ड के माध्यम से पांच लाख रुपए तक सरकारी एवं प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा सकते हैं। सरकार गरीबों को रोग से मुक्त करने का बीड़ा उठाया है। आशा व एएनएम की सराहना करते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं को घर-घर तक पहुंचने में अहम योगदान निभाती है। गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण से लेकर जागरूकता करने का कार्य करती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने कहा कि मानसिक रोग कोई बीमारी नहीं है। भारी तनाव के चलते मानसिक रोग से प्रभावित हो जाता है। सभी लोग ज्यादा से ज्यादा तनाव मुक्त रहने का प्रयास करें। मोबाइल का प्रयोग कम करें। मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जीवन के लिए अत्यधिक जरूरी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में दूरदराज से आये मानसिक रोगियों का कैंप में चिकित्सकों ने परीक्षण करते हुए निशुल्क दवाएं दी। इसके अलावा आयुष्मान गोल्डन कार्ड, परिवार कल्याण, आरबीएसके, ओपीडी आदि स्टाल लगाए गए। केन्द्र के अधीक्षक उदय प्रताप सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शक्ति प्रताप सिंह तोमर, मानसिक रोग चिकित्सक डा नरेंद्रदेव पटेल, संजय कुमार, विनोद कुमार, आयुष चिकित्सक डा सुधीर सिंह, डा दीपक यादव डा मोहित विद्यार्थी, डा मोहिनी रैकवार, होम्योपैथिक डा सौम्या शुक्ला आदि रहे।

साकार हो रहा है विकास का सपना : सतीश

बाराबंकी। भाजपा सरकार ने जो वादे किये थे सभी वादे पूरे होते जा रहे हैं। मैने भी जो विधानसभा दरियाबाद क्षेत्र को आदर्ष विधानसभा बनाने का सपना देखा था उस सपने को साकार करने का प्रयास कर रहा हूं। उक्त बात मंगलवार को नगर पंचायत दरियाबाद के शहीद स्मारक स्थल पर करोड़ो रुपये की लागत से बनने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की कई सड़कों का लोकापर्ण करने के दौरान राज्यमंत्री सतीष शर्मा ने कही। उन्होने बताया कि विधायक बनने के बाद से ही मैने दरियाबाद क्षेत्र की हर ग्राम पंचायत में विकास की किरण पहुंचाने का वादा किया था इसी वादे के अनुसार, मैं अपने प्रयास में जुटा हुआ हूं। सड़क हो या पुल या फिर स्टेडियम हो सबका मैने निर्माण कार्य आप लोगों के प्रयास से करवाया है। श्री शर्मा ने इससे पूर्व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 के अन्तर्गत अकोहरा-अकबरपुर सम्पर्क मार्ग लम्बाई 6.250 किमी, लागत

393.18 लाख इंदरपुर-पहरूपुर सम्पर्क मार्ग लम्बाई 8 किमी लागत 589.65 लाख, टिकैतनगर-लोढ़ेमऊ लम्बाई 5.200 किमी लागत 426.57 लाख, दरियाबाद-बदोसराय लम्बाई 9किमी लागत 1132 लाख, सैदखानपुर-सिसौना लम्बाई 5 किमी लागत 431.64 लाख, नियामतगंज-खेतासराय 8 किमी लागत 681.74 लाख, सफ़दरगंज से दरियाबाद-अलियाबाद मार्ग लम्बाई 19 किमी लागत 2496.83 लाख, सफ़दरगंज मार्ग से किठूरी मीरपुर मार्ग लम्बाई 6 किमी लागत 476 लाख एवं प्राथमिक विद्यालय सरायसैफ लागत 15.14 लाख, प्राथमिक विद्यालय गुलामपुरवा लागत 15.14 लाख, प्राथमिक विद्यालय माँझा रायपुर लागत 15.14 लाख, प्राथमिक विद्यालय खेतासराय लागत 15.14 लाख, प्राथमिक विद्यालय बादशाहनगर लागत 15.14 लाख, प्राथमिक विद्यालय नूरपुर लागत 15.14 लाख आदि कार्यों का लोकापर्ण किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, मुलायम सिंह यादव, महेश गुप्ता, उमेश जैन, सन्दीप त्रिपाठी, अनुज बाबा, राम आशीष मिश्रा, लवलेश पण्डित, अभय शुक्ला, देशराज सिंह, प्राणनाथ, सत्यनाम वर्मा, अजीत वर्मा, ब्रजेश वर्मा सहित क्षेत्र के कई ग्राम प्रधान व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पानी छोड़ते ही कटने लगी पटरियां, फसलें हुई जलमग्न

मसौली, बाराबंकी। विभाग द्वारा नहर सफाई के दौरान मजबूत पटरियां न बनाने के कारण मसौली रजबहा में पानी छोड़ते ही न्यामतपुर गांव के निकट रजबहा कट जाने से सैकड़ों बीघा गेंहू ,सरसों,आलू की फसलें जलमग्न हो गई। जबकि किसानों ने कटी रजबहा को बांधने का प्रयास किया लेकिन तेज बहाव होने के कारण नहर पुनः कट गई। सिचाई विभाग ने आनन फानन में नहरों की सफाई कर पानी छोड़ कर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के निर्देशों का पालन तो जरूर किया लेकिन नहरों की सफाई के समय नहर पटरियों की मजबूती न होने के कारण मसौली रजबहा में पानी पहुँचते ही न्यामतपुर गांव के निकट रजबहा कट गई जिससे आलू, गेंहू,सरसों की फसलें जिसमें किसान मातादीन यादव की 3 बीघा सरसों,प्रवेश वर्मा सरसों 3 बीघा, अनिल कोटेदार आलू 5 बीघा,राम उदित सरसों 5 बीघा, अनमोल 2 बीघा गेहूं,काशी नरेश रावत 6 बीघा,मंजू रावत 3 बीघा सरसों, अवसाद यादव 3 बीघा सरसों,विनेश यादव 3 बीघा, दयानन्द यादव 5 बीघा, प्रताप यादव एक बीघा ,धनेश वर्मा सहित कई दर्जन किसानों की सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न होने से बर्बाद हो गई है। किसानों ने नहर कटने की सूचना विभाग को दी,लेकिन किसी के कान पर जूं तक नही रेंगी। तब किसानों ने अपनी मेहनत से नहर बांधने का प्रयास किया।

घने कोहरे के दृष्टिगत तैयारियां ससमय करें पूर्ण

सोनभद्र।(आरएनएस) जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र जंगलों आदि से घिरे होने के कारण प्रायः जनपद के अधिकांश क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाएं, अग्निकाण्ड इत्यादि अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होने की स्थित बनी रहती हैं, उक्त के दृष्टिगत व्यापक रूप में होने वाली जन-धन की हानि को न्यूनतम करने हेतु विभागवार कार्य ससमय पूर्ण किया जायें, लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों की मरम्मत एवं अन्य कार्य-सड़को में बने गड्ढों का मरम्मत कार्य तत्काल पूर्ण कराया जाये, साथ ही डिवाइडर की मरम्मत एवं मानक के अनुसार उनका रंग-रोगन कार्य किया जाये, विभिन्न प्रकार के सड़क की सतह का अंकन रोड सरफेस मार्किंग गतिरोधक जेब्रा क्रांसिंग आदि पर पेंटिग का कार्य निर्धारित मानक के अनुसार सुनिश्चित हों, सड़को के किनारे रेडियम पट्टी, दिशा परिर्वतन सूची आदि कार्य कराये तथा अति संवेदनशील स्थल जहॉ पर प्रायः दुर्घटनाएं होती हों, को सूचीबद्ध कर दुर्घटना अवरोधकक्षक्षात्मक कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सड़को एवं मोहल्लों में स्थापित प्रकाश बिन्दु जो कि खराब व क्षतिग्रस्त हैं, उन्हे तत्काल ठीक करायें व रोड लाईट का प्रयोग अधिक हो यह सुनिश्चित किया जाये, साथ ही निर्धारित समयानुसार उनके चालू एवं बन्द होने का कार्य सुनिश्चित हों, वाहनों पर चेतावनी स्टीकर (रेडियम)-समस्त वाहनों (चार पहिया, दो पहिया, ट्रैक्टर ट्राली, कम्बाइन हार्वेस्टर, स्कूल वाहन, ट्रक, टैम्पों, परिवहन निगम एवं अनुबन्धित बसों पर), एवं नगर निकायों में स्थित टैक्सी स्टैण्डों पर आ रहे वाहनों पर रिफ्लेक्टर नारंगी रंग का चेतावनी स्टीकर (रेडियम) लगवाना सुनिश्चित करें, जिससे कि वाहनों के मध्य उचित दूरी बनी रहे तथा दुर्घटनाओं को न्यून किया जा सके। अलाव एवं कम्बल की व्यवस्था-शासन के सहयोग से महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जानी है। ऐसे स्थलों को चिन्हित कर सूचीबद्ध कर लें एवं जिन स्थानों पर अलाव जलाये जाने है उस स्थल का नाम अक्षांश व देशान्तर के साथ उपलब्ध करायें, साथ ही अपने कार्यक्षेत्र में लेखपालध्ग्राम विकास अधिकारीध्सुपर वाइजर के माध्यम से स्वैच्छिक संगठनों व सामाजिक कार्य में रूचि रखने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए स्वेच्छा से आवश्यक स्थलों पर अलाव जलवाने तथा निराश्रितों को कम्बल वितरण हेतु प्रेरित करें।संचालित रैन बसेरों की सफाई एवं आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें।

हाटा एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण

कुशीनगर। अपर निदेशक नगरीय निकाय निदेशालय लखनऊ डॉ असलम अंसारी द्वारा नगर पालिका परिषद हाटा के एम आर एफ सेन्टर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा एमआरएफ सेन्टर में सूखे और गीले कुंडों के एकत्रिकरण एवं कम्पोस्ट पिट व गीले कूड़े से बनने वाली खाद आदि के बारे में जानकारी ली गई। उनके द्वारा स्टॉक रजिस्टर आदि चेक किया गया। निरीक्षण में मिली खामियों को शीघ्र ही दूर करने व उक्त स्थल पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने तथा शौचालय की साफ सफाई आदि सही ढंग से कराने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान अवर अभियन्ता मनोज यादव, पडरौना नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी संतराम सरोज, लिपिक रमाशंकर गुप्ता, पंकज भारद्वाज, दीपक मणि, आशुतोश, अभिषेक, प्रदीप मिश्रा उपस्थित रहे।

विलासपुर गांव में वायरल बुखार से कई लोग बीमार

कसेंदा, कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के विलासपुर गांव में वायरल बुखार ने पांव पसार लिया है। जिसकी चपेट में आने से कई लोग बीमार हैं।परिजन बीमारों का इलाज क्षेत्र के दवाखाना और क्लीनिकों से करवा रहे हैं।विलासपुर गांव के धारा सिंह, राजाराम, फूलचंद्र, ओम प्रकाश ने बताया कि सप्ताह भर पहले गांव में बुखार का प्रकोप शुरू हुआ। सबसे पहले अभिषेक कुमार, चंदन लाल को अपनी चपेट में लिया। परिजनों ने उनका इलाज कादिलपुर स्थित एक क्लीनिक में कराया। उनका बुखार तो सही हुआ लेकिन अब हालत यह है कि लगभग सभी घरों के लोग बीमार पड़ने लगे हैं। मरीजों को तेज बुखार, बदन में दर्द, उल्टी दस्त, हाथ पैर में सूजन और प्लेटलेट्स व खून की कमी की शिकायत हो रही है। बीमार व्यक्ति को कमजोरी इस कदर जकड़ती है कि वे चलने फिरने को मोहताज हो रहे हैं। इन दिनों गांवों के साहिल पुत्र राकेश, कल्याण, बेटा अभिमन्यु पुत्री संध्या, दीपक पुत्र बिहारी लाल, पवन सिंह, रीता पुत्री राम सेवक, अंकित पुत्र अमर दीप, चंदन लाल, राम सजीवन, राकेश पुत्र शारदा, गोरे लाल पुत्र बृज लाल, रंजीत कुमार पुत्र धनी, जीत लाल पुत्र लखन, सोनू, विश्वराम पुत्रगण राम प्रकाश, कल्लू पुत्र दशरथ, कमलेश पुत्र राम सूरत, पवन पुत्र मुंशी, सतेंद्र पुत्र राम प्रकाश, पप्पू के घर के दो सदस्य, मनीषा पत्नी संजय, प्रदीप पुत्र दरबारी लाल, मानसिंह पुत्र अमृत लाल आदि बीमारी की चपेट में हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर जरूर खोला गया है।

फतेहपुर सहावपुर गांव में लगाया गया पशु आरोग्य मेला

चायल, कौशाम्बी। स्थानीय ब्लॉक की ग्रामसभा फतेहपुर सहावपुर में शनिवार को पशुपालन विभाग ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान पशु चिकित्सकों ने 304 पशुओं को कृमिनशक दवा, 142 पशुओं को सामान्य चिकित्सा, 36 को बांझपन, 36 का गर्भ परीक्षण समेत कुल 614 पशुओं का उपचार किया। मुख्य अतिथि भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा पुष्पराज पटेल ने गो पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान पशु चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने पशुपालकों को राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत भेड़, बकरी और सूकर पालन एवं बीमा योजना, सहभागिता योजना, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, कृत्रिम गर्भाधान योजना, नंद बाबा पुरस्कार योजना, टोल फ्री पशु एंबुलेंस सेवा व पशुओं से संबंधित बीमारियों के उपचार की जानकारी दी। मेले में पशु चिकित्साधिकारी चरवा डॉ. वंदना सिंह, पशुधन प्रसार अधिकारी ज्योति तिवारी, वेटनरी फार्मासिस्ट विजय कुमार, ग्राम प्रधान गणेश पाल समेत सैकड़ो पशुपालक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता गोविन्द प्रसाद तिवारी निवासी नरई थाना संग्रामगढ़ ने बताया कि प्रार्थी ग्रामसभा की भूमि बचाने हेतु बराबर पैरवी कर रहा है, गांव के तमाम लोगों ने अवैध ढंग से ग्रामसभा की भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे है। माननीय न्यायालय व अधिकारियों द्वारा अवैध कब्जा हटाये जाने का आदेश प्रार्थी के प्रार्थना पत्र पर पारित किया गया है। प्रार्थी घर से कुण्डा जा रहा था जैसे ही वह प्राइमरी विद्यालय नरई के पास पहुँचा तो गांव के विनय सिंह व विष्णु ने प्रार्थी को गालियॉ देते हुये जान से मार डालने की नियत से लात मूंका घूंसा से मारपीट कर बेहोश कर दिया, रास्ते में आते जाते हुये गांव वालों ने बीच बचाव कर प्रार्थी की जान बचाई, मुल्जिमान धमकी देते हुये भागे कि मुकदमें की पैरवी छोड़ दो अन्यथा दोबारा मारेगें, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी एसओ संग्रामगढ़ को निर्देशित किया है कि प्रार्थी की सुरक्षा सुनिश्चित करायें और दोषी के विरूद्ध कार्यवाही करें। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें।

एक आर्थिक महाशक्ति बनाया

प्रयागराज। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन (26 दिसंबर 2024) में पूर्व प्रधानमंत्री जीवन काल से परिचय कराया। डॉ मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर, 1932 को पंजाब में हुआ था। उन्होंने 1952 और 1954 में क्रमशः पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक और परास्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने 1962 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डी.फिल. की उपाधि प्राप्त की। देश की सेवा करते हुए उन्होंने निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए जैसे मनरेगा, संपूर्ण कृषि ऋण माफ, सूचना का अधिकार अधिनियम(आर टी आई), परमाणु समझौता, फॉरेस्ट राइट एक्ट, आधार स्कीम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम(आर टी ई), खाद्य सुरक्षा अधिनियम, भूमि अधिग्रहण अधिनियम इत्यादि जनकल्याणकारी योजनाओं से देश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वैश्विक आर्थिक मंदी से देश को सुरक्षित बचाया इन कार्यों से उन्होंने देश की दशा और दिशा बदल दिया जिसका लाभ आज भी देश को मिल रहा है हालांकि डॉ. मनमोहन सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। बैठक में प्रदीप मिश्र अंशुमन, दिवाकर भारतीय, अजेंद्र गौड़, प्रवीण सिंह भोले, लल्लन पटेल, विनय पांडेय, राम मनोरथ सरोज, विष्णु कांत पांडेय, अब्दुल कलाम आजाद, रचना पांडेय, निशात फातिमा, राजेंद्र अग्रवाल, सौरभ चौधरी, विशाल सोनकर, नफीस कुरैशी, शुभम शुक्ला, संतोषानंद महाराज, राज कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

महाकुंभ में आतंकी वारदात करने की धमकी, युवक ने इंस्टाग्राम पर की पोस्टय आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया

प्रयागराज। अब इंस्टाग्राम यूजर के अकाउंट से महाकुंभ को लेकर आतंकी वारदात करने की धमकी दी गई है। साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। नसर पठान के नाम से बने इंस्टाग्राम अकाउंट में एक युवक की तस्वीर लगी है, जिसने कंधे पर बैग टांग रखा है। इस अकाउंट से दोपहर 3रू14 पर एक पोस्ट किया गया है। पोस्ट में एक समुदाय को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही महाकुंभ में आतंकी वारदात करने की भी धमकी दी गई है। युवक ने खुद को भवानीपुर, पूर्णिया (बिहार) का रहने वाला बताया है। मामले में डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि साइबर थाना पुलिस पड़ताल में जुटी है। इंस्टाग्राम अकाउंट यूजर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, एसएसपी कुंभ राजेश द्विवेदी का भी कहना है कि जांच शुरू हो गई है। गौरतलब है कि इससे पहले पीलीभीत में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के तीन आतंकियों के एनकाउंटर के बाद आतंकी पन्नू ने महाकुंभ को लेकर धमकी दी थी। इस मामले में पीलीभीत पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया है जिसकी जांच चल रही है।

हाईकोर्ट ने शीतकालीन अवकाश में सुनवाई करते हुए ध्वस्तीकरण आदेश पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शीतकालीन अवकाश के दौरान अति आवश्यक मामले की सुनवाई करते हुए हमीरपुर के याचियों के मकानों के खिलाफ जारी ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा दी है। कहा कि आदेश के अनुपालन के लिए आज ही जिला मजिस्ट्रेट हमीरपुर को आदेश के कॉपी प्रस्तुत की जाए। मामले की सुनवाई तीन जनवरी को होगी। यह आदेश मनीष कुमार निगम की पीठ ने गुल मोहम्मद व अन्य की याचिका पर दिया। हमीरपुर की तहसील सदर के ग्राम खरौंज के निवासी गुल मोहम्मद, कल्लू, मोहम्मद अहमद, मुश्ताक अली, अली बख्श और महमूद अली को तहसीलदार ने 28 दिसंबर 2024 को ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया। निर्देश दिया कि वे विवादित परिसर को तीन दिनों के भीतर खाली कर दें। याचियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर नोटिस को रद्द करने और प्रतिवादी अधिकारियों को शांतिपूर्ण कब्जे में हस्तक्षेप न करने का निर्देश देने की गुहार लगाई। याची के अधिवक्ता कमलेश कुमार त्रिपाठी ने दलील दी कि अवैध तरीके से नोटिस जारी कर कार्यवाही शुरू की गई है। याचियों ने डीएम की ओर से 28 नवंबर 2024 को खारिज की गई अपील को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिका पर सुनवाई के लिए तीन जनवरी 2025 की तिथि नियत की गई है। इस बीच 28 दिसंबर 24 को जारी की गई ध्वस्तीकरण नोटिस अवैध है। कोर्ट ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा कहा कि प्रतिवादी अधिकारियों के समक्ष आदेश की कंप्यूटरीकृत प्रति भी दाखिल कर सकते हैं।

नए साल पर स्टेटस सिंबल बना महाकुंभ, सोशल मीडिया पर पोस्ट और रील की भरमार

प्रयागराज। नए साल पर महाकुंभ लोगों का स्टेटस सिंबल बन गया है। बच्चे हों, पुरुष हों या फिर महिलाएं, यह सभी की पहली पसंद बन चुका है। सोशल मीडिया पर एक्टिव लोग अपने स्टेटस पर महाकुंभ से जुड़ी रील्स और वीडियो शेयर कर रहे हैं। महाकुंभ का क्रेज इस कदर है कि सोशल मीडिया पर महाकुंभ से संबंधित रील्स और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव सामान्य लोग हों या फिर इंफ्लुएंसर्स, सभी मेला क्षेत्र के सौंदर्य को अपने कैमरों में कैद कर रहे हैं और फिर इन वीडियो की रील्स बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के साथ शेयर किया जा रहा है। इन्हीं वीडियो और रील्स को लोग अपने वाट्सएप, फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया टूल्स पर स्टेटस के रूप में भी सेव कर रहे हैं। वॉट्सएप स्टेटस से लेकर एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक रील्स पर महाकुंभ सबसे ज्यादा लोकप्रिय हो रहा है। महाआयोजन करीब आते देख लोगों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के अनुसार, इस समय लोग महाकुंभ की इमेज, ऑडियो और वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह से हर कोई महाकुंभ के विषय में अधिक से अधिक जानना और सुनना चाहता है। इस कारण इससे जुड़े वीडियो और रील्स के व्यूज बहुत तेजी से बढ़ते हैं, इसीलिए बड़ी संख्या में इंफ्लुएंसर्स यहां आकर विभिन्न माध्यमों से रील्स और वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। ऑनलाइन पेमेंट कंपनियां भी महाकुंभ के प्रचार में जुट गई हैं। इसकी झलक उनके बारकोड स्कैनर में दिखाई दे रही है। पेटीएम समेत कई कंपनियों ने वेंडर्स को नए बारकोड स्कैनर वितरित किए हैं, जिसमें भव्य महाकुंभ की ब्रांडिंग की गई है। इस स्कैनर में बारकोड के ऊपर बड़े अक्षरों में भव्य महाकुंभ लिखा है। स्कैनर में शंख बजाते साधु, मंदिर, स्नान करती महिला, टेंट, संगम, गंगा में तैरते दीप, पांटून ब्रिज, बोट, दही जलेबी और सेल्फी लेते श्रद्धालुओं को दिखाया गया है।

शादी का वादा कर दुष्कर्म, मोबाइल पर भेजे अश्लील फोटो-वीडियो

प्रयागराज। जॉर्जटाउन में प्रतियोगी छात्रा ने युवक पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शादी का वादा कर उससे दुष्कर्म किया गया। विरोध पर मारपीट करने के साथ ही अब मोबाइल पर अश्लील वीडियो व फोटो भेजे जा रहे हैं। उधर, एक नर्सिंग छात्रा ने भी दुष्कर्म का आरोप लगाकर परिचित युवक पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। तेलियरगंज निवासी प्रतियागी छात्रा ने पुलिस को बताया कि 2023 में वह जॉर्जटाउन स्थित कोचिंग में वह असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा की तैयारी करने जाती थी। वहां धर्मेंद्र नारायण मिश्रा भी आता था। आरोप है कि बातचीत शुरू होने के कुछ दिनों बाद वह शादी व नौकरी का झांसा देकर 14 अक्तूबर 2023 को उसे होटल में ले गया।

जीजा और साली के बीच सहमति से बना संबंध अनैतिक है. ..दुष्कर्म नहीं, हाईकोर्ट ने की ये टिप्पणी, आरोपी को राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बालिग साली व जीजा के बीच सहमति से बना संबंध अनैतिक है, लेकिन इसे दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर पांच माह से जेल में बंद आरोपी जीजा को सशर्त जमानत दे दी। यह आदेश न्यायामूर्ति समीर जैन के पीठ ने कुशीनगर के कोतवाली हाटा निवासी आरोपी की अर्जी पर दिया। आरोपी पर कोतवाली हाटा में दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने साली को शादी करने का झूठा वादा करके भगा ले गया और उसके साथ संबंध बनाया। आरोपी जुलाई 2024 से जेल में है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। आवेदक के वकील ने दलील दी कि वर्तमान मामले में आवेदक को झूठा फंसाया गया है। पीड़िता वयस्क है। दोनों के बीच सहमति से संबंध बने हैं। पीड़िता ने पहले बयान में आरोपों से इन्कार किया था। बाद में अपना बयान बदल दिया। अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद इसे दुष्कर्म के बजाय अनैतिक संबंध मानते हुए जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। उधर, दुष्कर्म के एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म दिया है। पीड़िता के अनुसार आवेदक बच्चे का पिता है। इस पर आवेदक ने कहा, पीड़िता की पहले किसी अन्य व्यक्ति भी शादी हुई थी। वह बच्चे का पिता नहीं है। डीएनए जांच में यदि बच्चा उसका पाया जाता है तो वह उसे व पीड़िता को अपना लेगा। इन तथ्यों के आधार पर आवेदक को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने प्रयागराज के थाना मांडा के आरोपी की जमानत अर्जी पर दिया। मांडा थाने में 31 जुलाई 2022 को आवेदक पर दुष्कर्म, पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोप था कि उसने पीड़िता से शादी का वादा कर संबंध बनाया। जब वह गर्भवती हो गई तो उसने शादी करने से इन्कार कर दिया। आवेदक डेढ़ साल से जेल में है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट मेंअर्जी दाखिल की। वकील ने दलील दी कि आवेदक को झूठे आरोप के आधार पर आरोपी बनाया गया है। एफआईआर जब दर्ज कराई गई तो पीड़िता की उम्र 17 साल 10 महीने थी। यानी वह वयस्क होने की कगार पर थी। पीड़िता के बयानों से पता चलता है कि उसकी सहमति से संबंध बने हैं। पीड़िता की मां के बयान से यह पता चलता है कि उसकी शादी पहले किसी अन्य व्यक्ति के साथ हुई थी। डीएनए जांच में बच्चा आवेदक का पाया गया तो वह उसे अपना लेगा। न्यायालय ने इन तथ्यों का संज्ञान लेते हुए आरोपी की सशर्त जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

संतों ने आतंकी पन्नू के जलाए पोस्टर, परमहंस दास बोले- महाकुंभ में दिखा तो जिंदा गाड़ देंगे

प्रयागराज। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह उर्फ पन्नू की धमकी के बाद महाकुंभ में आए संतों में जबर्दस्त उबाल है। महाकुंभ मेले के सेक्टर 16 में अयोध्या छावनी के जगतगुरु परमहंस दास जी महाराज के नेतृत्व में संतों ने आतंकी पन्नू का पोस्टर जलाया। उसके खिलाफ संतों ने जोरदार नारेबाजी की। स्वामी परमहंस दास बोले की अगर आतंकी पन्नू महाकुंभ में दिखा तो उसे जिंदा गाड़ देंगे। संगम की रेती पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पिछले सप्ताह सुरक्षा का जिम्मा खुद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने ले लिया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि हर तरह की स्थिति में सभी सुरक्षा एजेंसियां तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को यूपी के पीलीभीत जिले में तीन खालिस्तानी आतंकवादियों वीरेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह और जसनप्रीत सिंह के एनकाउंटर के बाद पन्नू ने अमेरिका से वीडियो जारी कर कहा कि वह इस घटना का बदला महाकुंभ में लेगा। उसने इस आयोजन को 'हिंदुओं का आखिरी महाकुंभ' बनाने और तीन शाही स्नानों (14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को अंतिम शाही स्नान) को निशाना बनाने की धमकी दी थी। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यूपी पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां चप्पे चप्पे की निगरानी कर रही हैं। ड्रोन और फेस रिकग्निशन कैमरों जैसी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। महाकुंभ मेले में सुरक्षा के सात स्तरीय इंतजाम किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में ड्रोन तैनात होंगे, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। संवेदनशील इलाकों और प्रवेश द्वारों पर फेस रिकग्निशन तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं। संभावित साइबर हमलों को रोकने के लिए एक विशेष साइबर यूनिट काम कर रही है। एनएसजी और एटीएस की विशेष टीमें तैनात रहेंगी। जल, थल और वायु सुरक्षा में नदियों में गश्त के लिए स्पेशल बोट और वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को तैनात किया गया है। महाकुंभ में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए भी खास इंतजाम हैं।

अमेरिका की फूड सेक्रेटरी क्रिस्टीनाबन गई अमृता माता, सनातन धर्म के प्रति बढ़ा अनुराग

प्रयागराज। ध्यान–योग, आध्यात्म की ताकत दुनियावी चकाचौंध और वैभवशाली जीवन शैली पर भारी पड़ रही है। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के तौर पर लगे महाकुंभ में संगम की ओर रुख करने वाली दुनिया के लिए यह सनातन संस्कृति के बढ़ते प्रभाव की बड़ी नजीर है। अमेरिका के न्यूयार्क स्थित बफैलो शहर की एक नामी कंपनी में फूड सेक्रेटरी के पद पर तैनात रहीं क्रिस्टीना गेरुआ वस्त्र पहनकर अमृता माता बन गई हैं। न्यूयार्क के बफैलो शहर में स्थित कैनिसियम यूनिवर्सिटी से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाली क्रिस्टीना के अमृता माता बनने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। अमृता अमेरिकी दंपती की इकलौती संतान हैं। मां ज्वाइनया और पिता सेल्वटॉरी ने किस्टीना को बड़े दुलार से पाला

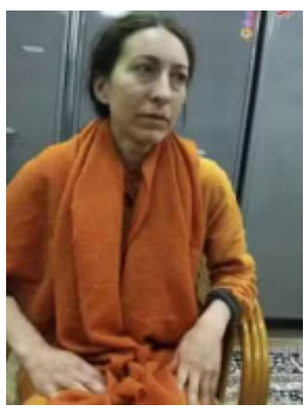

पोसा। मां और पिता ने बेटी के महंगे शौक और शाही जीवन शैली पर कभी रोक टोक नहीं लगाई। बिंदास जिंदगी जीने वाली क्रिस्टीना क्रियायोग से प्रभावित होकर भारत चली आईं। क्रिस्टीना बताती हैं कि वह महंगे क्लब भी ज्वाइन करती थीं और लजीज व्यंजनों का स्वाद उन्हें बेहद पसंद था। लेकिन, एक बार कनाडा में क्रियायोग गुरु स्वामी योगी सत्यम की क्रिया योग कक्षा में शामिल होने का अवसर मिलने के बाद उनकी पूरी जीवन शैली ही बदल गई। उनके आहार–व्यवहार में तो बदलाव आया ही, देखते–देखते ही पूरा जीवन क्रियायोग साधना की भक्ति में रंग गया। बेटी में आए इस बदलाव को देखकर क्रिस्टीना के माता–पिता भी अचंभित हुए। अंततरू बेटी की खुशी के लिए उसे लेकर क्रियायोग आश्रम आ गए। क्रिस्टीना क्रियायोग अभ्यास की साधना में रमने के साथ ही योग गुरु योगी सत्यम से दीक्षा लेकर अब अमृता माता बन गई हैं। अमृता माता महाकुंभ में महीने भर संगम के तट पर साधना करेंगी। उन्होंने क्रियायोग के रूप में सनातन धर्म को स्वीकार कर लिया है। वह बताती हैं कि सनातन संस्कृति से श्रेष्ठ उनकी नजर में विश्व में कोई संस्कृति नहीं है। उनका कहना है कि क्रियायोग के निरंतर अभ्यास के जरिए मन और शरीर के विकार से मिटते ही हैं, किसी भी तरह की बीमारी भी दूर हो सकती है। क्रिस्टीना का मां उनको लेकर यहां आश्रम में आईं। मां ने ही अपनी बेटी के जीवन में आए बदलाव के बारे में जानकारी दी और अपनी बेटी की खुशी के लिए आश्रम में ही उनको दीक्षा देने का आग्रह किया।

महाकुंभ में नहीं लगता था कोई बाजार, 1808 से शुरू हुई थी मेलाधिकारी की तैनाती

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन के रूप में महाकुंभ की भव्यता–दिव्यता अपने शिखर की ओर बढ़ चुकी है। मेला सजाने में हजारों करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। कारोबार भी कहीं इससे कई गुना ज्यादा होने की उम्मीद है। मगर, एक दौर ऐसा भी था, जब महाकुंभ में कोई बाजार नहीं लगता था। कुछ बिकता भी नहीं था। मेलाधिकारी की तैनाती भी 1808 से शुरू की गई थी। अंग्रेज सैनिक व लेखक थॉमस स्किनर ने 1882 में अपनी पुस्तक श्श्एक्सकर्सस इन इंडियाश्श में प्रयाग के मेले का अद्भुत वर्णन किया है। लिखा है, महाकुंभ पूरी तरह एक धार्मिक संगम था। वहां बाजार नहीं थे। कोई वस्तु बिकती नजर नहीं आती थी। कुंभ में स्नान व धार्मिक आयोजन सादगी से ही होते थे। राजसी सवारियां तब भी आज की तरह भव्यता से निकलती थीं। अंग्रेज और ईस्ट इंडिया कंपनी के दूसरे कर्मचारी महाकुंभ को ग्रेट फेयर कहा करते थे। अंग्रेजों ने वर्ष 1808 के कुंभ में पहली बार फेलिक्स विंसेट रैपर को मेलाधिकारी बनाकर अधिकारियों की नई नियुक्ति की परंपरा शुरू की थी। 1838 के कुंभ के बारे में ब्रिटिश इंजीनियर डेविडसन अपने रोजनामे में लिखते हैं, प्रयाग की रेती पर पहुंचा तो बहुत–सी अस्थाई झोपड़ियां थीं। यह बांस और घास–फूस की बनी थीं। बीच–बीच में ईंधन के ढेर थे, जो बहुत महंगे बिकते थे। मेला करीब आधे मील तक फैला था। कलकत्ता क्रिश्चियन ऑब्जर्वर में एक ईसाई मिशनरी 1840 में लिखते हैं, उन्होंने कुंभ में दस दिन बिताए। कुंभ शुरू होने से बहुत पहले ही दलों (अखाड़ों) के संत अपने स्थान चुनकर तैयारी शुरू कर देते थे। अखाड़े के बड़े हाथियों पर निकलते थे। पीछे उनके शिष्य और साधु कुछ शानदार घोड़ों और ऊंटों पर भी सवार होते थे।

अतिथियों के लिए टीवी तो कोई खरीद रहा बेड, कमरे भी बनवाए

प्रयागराज। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए शहर के लोगों ने अपने आशियानों को सजाना शुरू कर दिया है। अब तक 213 लोगों ने अपने घरों के एक हिस्से को पेइंग गेस्ट हाउस योजना के तहत पर्यटन विभाग में पंजीकृत कराया है। इन लोगों ने श्रद्धालुओं के लिए टीवी और बेड खरीदे हैं। सीसीटीवी कैमरे और वाटर प्यूरीफायर लगवाए जा रहे हैं। पूजा के लिए कमरों में देवी–देवताओं की प्रतिमाएं भी रखी ही गई हैं। वहीं, एक व्यक्ति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो नए कमरे भी बनवाए हैं। मोहत्सिमगंज निवासी समीर पांडेय बताते हैं कि अपने घर के पांच कमरे को निर्माला इन के नाम से पेइंग गेस्ट रूम के रूप में दर्ज कराया है। यहां पांच नए डबल बेड, पांच टीवी, गीजर के साथ सीसीटीवी भी लगवाया है। इन सबसे अब तक लगभग 2.5 लाख रुपये खर्च हुए हैं। ओडिशा के काजू व्यापारी धीरेंद्र महापात्रा ने उनके घर रुकने के लिए पांच से आठ जनवरी तक बुकिंग कराई है। उनके साथ परिवार के 15 लोग संगम में डुबकी लगाने आएंगे। इसी तरह महाराष्ट्र, लखनऊ और बरेली से भी श्रद्धालुओं ने बुकिंग कराई है। छिवकी निवासी संजय मिश्रा बताते हैं कि घर के प्रथम तल के छह कमरों को प्रयागराज के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। इसके लिए 10 गद्दे, पांच एलईडी टीवी और सीसीटीवी भी लगवाया है। प्रदेश के अलावा सतना और अहमदाबाद से आने वाले लोगों ने यहां ठहरने की इच्छा जताई है। नैनी एफसीआई के पास रहने वाले राजेश श्रीवास्तव ने भी घर के दो कमरों को नक्षत्र होम स्टे के नाम से पर्यटन विभाग में दर्ज कराया है। उनके यहां तो 13 और 14 जनवरी की 2500 रुपये में बुकिंग भी हो गई है। इस राशि में वह मेहमानों को सुबह की चाय और नाश्ता भी देंगे। यहां मुंबई से दो लोग भी आएंगे। इसके अलावा वदोदरा से भी फोन कर पूछताछ की गई। तुलाराम बाग में गीता निकेतन मंदिर के सामने वाली गली में सुधांशु श्रीवास्तव ने श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्था के लिए दो कमरे बनवाए। यहां नया टीवी, बेड और गीजर भी लगवाया है। सरकार ने 500 घरों को पेइंग गेस्ट के रूप में लाइसेंस देने के लक्ष्य से इसको लागू किया था, लेकिन अब तक मात्र 213 लोगों ने आवेदन पत्र लिया है। इसमें से 40 लोगों को लाइसेंस दिया गया है। 61 लोगों के दस्तावेज मानक के अनुरूप हैं। जल्द ही इन सभी को प्रशिक्षण देकर लाइसेंस जारी किया जाएगा। वहीं, श्रद्धालुओं की देखरेख और उनसे अच्छा व्यवहार करने की मकान मालिकों को ट्रेनिंग दी गई। पर्यटन विभाग ने 100 से ज्यादा लोगों को पांच दिन की ट्रेनिंग दी गई।

नई शिक्षक भर्ती के लिए रिक्त पदों की कराई गई गिनती, चार जनवरी को होगी निदेशकों की बैठक

प्रयागराज। प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा में शिक्षकों के पदों पर नई भर्ती शुरू करने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने चार जनवरी को संबंधित विभागों के निदेशकों की बैठक बुलाई है। इसके लिए विभाग रिक्त पदों की गिनती करा रहे हैं। बैठक में नई भर्ती शुरू करने के साथ ऑनलाइन अधियाचन भेजे जाने पर भी निर्णय लिया जाएगा। बैठक से पूर्व माध्यमिक शिक्षा विभाग ने रिक्त पदों की गिनती शुरू कर दी। इसके लिए अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) सुरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी मंडलीय शिक्षा निदेशकों को पत्र जारी कर प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता, सहायक अध्यापक, लिपिक, चतुर्थ श्रेणी व सहायक अध्यापक (संबद्ध प्राइमरी प्रभाग) के रिक्त पदों की गणना करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही 31 मार्च 2025 तक सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त होने वाले पदों का ब्योरा भी मांगा है। वहीं, उच्च शिक्षा निदेशालय अशासकीय महाविद्यालयों व अल्पसंख्यक महाविद्यालयों से असिस्टेंट प्रोफेसर व प्राचार्य के रिक्त पदों का ब्योरा पहले ही मांग चुका है। इन पदों के सत्यापन के बाद निदेशालय ऑनलाइन माध्यम से पोर्टल के माध्यम से अधियाचन भेजेगा। निदेशालय के सूत्रों का कहना है कि पोर्टल पर अधियाचन किस प्रक्रिया के तहत भेजा जाएगा, बैठक में इस पर भी चर्चा होगी। शिक्षा सेवा चयन आयोग के सचिव की ओर से पूर्व में संबंधित विभागों को पत्र भेजकर रिक्त पदों का अधियाचन मांगा जा चुका है। आयोग महाकुंभ के बाद प्राइमरी से उच्च शिक्षा तक नई भर्ती शुरू करने की तैयारी में है। आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए आयोग ने पाठ्यक्रमों का रिवीजन भी शुरू कर दिया है। साथ ही अर्हता संबंधी विवादों को भी दूर किया जा रहा है, ताकि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद कोई बाधा न आए। वहीं, दूसरी ओर आयोग फरवरी में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों और अप्रैल में टीजीटी–पीजीटी के 4163 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा कराने की तैयारी कर रहा है। ये दोनों भर्तियां ढाई साल से लंबित पड़ी हैं। 14 लाख से अधिक अभ्यर्थी इन परीक्षाओं का इंतजार कर रहे हैं। आयोग की योजना है कि लंबित परीक्षाएं कराने जाने के बाद नई भर्तियां शुरू करा दी जाएं।

भीषण सर्दी पर भारी पड़ा 2025 का जोश, हर तरफ जश्न का शोर

प्रयागराज। गुड बाय 2024...वेलकम 2025! रात 12 बजते ही गीत–संगीत का धमाल आसमान छूने लगा। वेलकम सॉन्ग के साथ लोग एक–दूसरे को हैप्पी न्यू ईयर कहते हुए बधाई देने लगे। रंग–बिरंगी आतिशबाजी से आसमान पट गया। जो जहां था, जश्न में शामिल हो गया। सिविल लाइंस से लेकर जॉर्जटाउन, मेडिकल चौराहा, बालसन समेत अन्य इलाकों के होटलों, क्लबों में शाम से ही 31 दिसंबर का जश्न शुरू हो गया था। सर्दी की परवाह किए बगैर युवक–युवतियां नए साल के लिए पार्टियों में शामिल हुए। फूलों और आकर्षक लाइटों से सजे पार्कों, लॉनों और होटलों में समूह नृत्य देखने लायक थे। सिविल लाइंस के होटल क्लार्क इन अजय इंटरनेशनल में 2024 को नृत्य–संगीत संग विदा किया और नए साल का स्वागत किया। होटल मिलेनियम इन में नृत्य के अलावा चुटकुलों और हास्य कविताओं पर जमकर ठहाके लगे। वर्ष के अंतिम मंगलवार को सजे और पूजे गए हनुमानजी वर्ष के अंतिम मंगलवार को बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर को बहुरंगी फूलों से मनोहारी शृंगार किया गया। रंग–बिरंगे गुब्बारों और अन्य कलाकृतियों से सजाया गया। आरती के बाद सर्वमंगल की कुशलता और सभी के स्वस्थ रहने की कामना की गई। एकलव्य चौराहे के पास स्थित हनुमान मंदिर में रामचरितमानस का अखंड पाठ हुआ। न्यायविद हनुमान मंदिर, सिविल लाइंस के हनुमत निकेतन में साल के आखिरी दिन दर्शन के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद पार्क, हाथी पार्क, भरद्वाज आश्रम और आनंद भवन गुलजार रहा। महाकुंभ को देखते हुए पार्कों की सजावट लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थी। जगह–जगह लोग देर रात तक सेल्फी लेते रहे। खानपान की दुकानों पर देर रात तक जमावड़ा लगा रहा। तारामंडल में कौशाम्बी, भदोही, फैजाबाद, वाराणसी से स्कूलों के बच्चे भी घूमने आए थे। सिविल लाइंस स्थित कामधेनु स्वीट्स, पैराडाइज, पैरामाउंट बेकर्स से लोगों ने डिजाइनर केक खरीदे। इस दौरान बेकरी व मिठाई की दुकानों पर भीड़ रही। कामधेनु स्वीट्स के इंदर मध्यान ने बताया कि इस बार सीजन अच्छा गया। छोटे केक भी खूब बिके। इसी तरह स्टेट्समैन बेकरी के राशिद सगीर ने बताया कि युवाओं ने केक खरीदने में काफी दिलचस्पी दिखाई। 31 दिसंबर की शाम फूलों का बाजार चटख हो गया। सिविल लाइंस में गुलाब 20 से 30 रुपये प्रति पीस बिका। नैनी फूल मंडी में गुलाब 500 रुपये प्रति गठरी, गुलदस्ता–बुके 200 से 300 रुपये में बिके। फूल मंडियों में गुलाब, गेंदा, आर्किड, फुलदादी, गुलदस्ते, बुके, गेंदा के फूल की माला, अशोक की पत्तियां और एरिका के पत्ते खरीदने को भीड़ रही।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062